



लक्ष्मी सीड्स

अधिक उत्पादन हेतु सुझाव





लक्ष्मी सीड्स

रिसर्च ग्वार किस्में

हर बीज खरा, खुशहाली से भरा

आकाश

हरा सोना

मुखिया



खेत की तैयारी एवं भूमि का प्रकार

सभी प्रकार की मिट्टी में बुवाई कर सकते हैं, एक दो गहरी जुताई और समतलीकरण।



बुवाई का समय

अच्छे उत्पादन के लिए ग्वार की बिजाई 15 जून से 30 जुलाई तक उपयुक्त है।



बीज की मात्रा

2 किग्रा प्रति एकड़, बिरानी और बरसात पर बोये जाने वाले क्षेत्र में बीज की मात्रा
3 किग्रा प्रति एकड़।



बीज उपचार व बिजाई

यह बीज उपचारित होता है, ट्रैक्कोड्रमा वीरदी से आप कर सकते है।



खाद व उर्वक की मात्रा

25-30 किलोग्राम यूरिया और 120-130 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट प्रति एकड़
बिजाई से पूर्व खेत में मिलाये ।



सिंचाई

1-2 सिंचाई (सिंचित क्षेत्रों में), असिंचित क्षेत्र में बरसात पर ही निर्भर।



खरपतवार नियंत्रण

स्टॉम्प 30 प्रतिशत ई.सी.(पेन्डीमिथिलिन) 750 एम.एल. 200 लीटर पानी में घोलकर फ्लुड जैट नॉजल से प्रति एकड़ बिजाई के 24 घण्टे के अन्दर छिड़काव करे।



कटाई

इस किस्म की फलियां चटकती / गिरती नहीं है, इसलिए एक साथ कटाई कर सकते है।



टिप्पणी

नोट- ऊपर दी गयी सलाह हमारे अनुभव, फील्ड ट्रायल एवं अनुसंधान केन्द्रों पर किये गये प्रयोगों पर आधारित है। लेकिन प्राकृतिक कारण जैसे जलवायु, भूमि का प्रकार एवं कृषि पतियों के कारण उपरोक्त जानकारी में अन्तर हो सकता है। बीज की गुणवत्ता के अलावा हम किसी तरह की गारन्टी नहीं ले सकते। क्योंकि अन्य परिस्थितियाँ हमारे नियंत्रण से बाहर है। ऊपर दी गई जानकारी किसान भाईयों की समृद्धि और सफलता के लिए है।

